



वरु नथियं कं जाययायः मिह नलव कभायं वः वा दावपूजावडनायि
 वरु कभाडं पुमिहि न दादि वरु खा दाभाथन वलिमलं खमस्यं मायनः
 डं दं जावमनीयमिह खा दाभाः मभायं कावनवायमधुलं वं कावनम
 यिमधुलं मभायमिहिमधुलं कायाभिजिहवमभाडं नं मभायक
 दिवायिपुमिह मभाडं नां नं हलां मायां मां वं कावडाभाः यं वा मभायन

वही हीं सतैय

यं यमभाडं जाः रुं जाकावडं क्षीनमभाडं गदयमिडं जावडं मभाय
 कावडं यं ववायल्लसर्वं यं ववाकाखाकावडं वा मकिहल्लवडं वकी
 ल्लकावडं विविं वायल्लमालारुमल्लकावडं कां डं कावडं मिनाय
 यिहं वां कालडं वकां कावडं मस्यं खं कावडं मां सः रुं कावडं सचं व
 धिं कं ववं वधिं मस्यं मां सव कव कायविमसचं वधिं मां यवाकाविमिह

ASHA ARCHIVES

2732

वसुधैवितां नमामास्तु तन्वी नीलकण्ठाय नमः सर्वभूतहिते रतः
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

यद्यस्य सायका रात्र उद्धरुद्धर साक्षात् २ मऽऽद्यादिद्वितीयं यद्यस्य
 ०० मंगद्रा उवाचिद्वितीयः ज्ञानेन मनसि रयगिरि आर्णवगिरि नय
 नाय ०० मन्तरुगाधिरागि श्रद्धावा ०० उद्धरुद्धर कथिनामद्वयद्वयसमस्त
 रादे उद्धरनागधराधरागं दगनेन मन्त्रायगिरि श्रद्धागिरि वदयिगिरि स्वकस्व
 काये वादिमानरुगाधिरागं उद्धरुद्धर सागनेन यथासाय यथासाय रुद्धरुद्धर

[illegible]

गद्यभादेगालाकथाउमयसनात्तमद्रमस्वलादययत्रमात्रप्रकायमानमः
धुलगरुगसचलराव्यवलिगद्यमथाउगराकासप्रउयर्कनवाभनोः
सर्वरूपचयदसादिगनाकथाउमयमद्यविदात्रगगधसमानसर्वसत्तानोः
गद्यभादेगालाकथाउमयसनात्तमद्रमस्वलादययत्रमात्रप्रकायमानमः
नीचवजरोवववजमभुकायवजकधुलीवजमोनवजवमायिगपथिय

[illegible]

मङ्गलार्चनं अमिषं हूलधूपदीपनेद्यद्यसर्वमन्त्रानां यस्याहा ॥ ५ ॥ ॐ
 अस्माननाय आशुदुःखदुर्घ्नयः पिङ्गाक्षकक्षाय त्रुविंशतीनगाय पाठशरुजाय
 कङ्कजमुखाय कपालमालधराय उल्लूकादनगाय मालयश्च कालयश्च गङ्गायश्च
 सायश्च सप्तसागवान् वधयश्च गङ्गाश्च रुतश्च सर्वं शक्तं रुद्रादीनां ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं
 स्वाहा ॥ ग गङ्गे नमो गवय्याय वधुमलाय वधाय ददा सन्नमन् प्रणमन् कः ॥

[illegible][illegible]

विद्यादव्यामहायनः सामकिरुक्कागिरेवमायादवीगथाकुसिखरुभीवजयाये
वमहाकाविचदुगिरेववजुदरागथाययावजुपासीवजुपानीमहावतामहा
विद्यामहागजागथेवामहागकुधुनीजायमादिगामहादवीकात्रकधुमहा
यलगाथायन्यामहासागाययककुधुनिदयययदमीमनिवदामवर्धुकाभीव
पिंगवामहादवीमहागथायन्यायविदुर्मात्रीनीविद्याकिरुक्कागायववया

प्रभागेकवृष्टिं कवृष्टिं कवृष्टिं कवृष्टिं कवृष्टिं कवृष्टिं कवृष्टिं कवृष्टिं कवृष्टिं कवृष्टिं
मिमांसा ॥ १३ ॥ उ० आः हं हावा मादविक गमश्च अका कः उ० कः गः अः
आवृ कः अमृ कः गवृ दमश्च हः सपवि वा व हः ॥ दं वलि गी च य वृ य वृ य वृ य वृ य
क्रम दयाम हं वा ग हः सपवि वा वा वृ मि मि दं वली ग दं य पी वृ य वृ य वृ य वृ य
सरु फानः सर्व सत्वा नी भागे वृष्टिं कवृष्टिं कवृष्टिं कवृष्टिं कवृष्टिं कवृष्टिं कवृष्टिं कवृष्टिं कवृष्टिं कवृष्टिं

आययं गी स्वाहा ॥ १४ ॥ उ० न मा रा रा व रु (ग) रु मा वि का य सर्व ग रु रा य ना म नी
सर्व द वा नी मा य का दि रा य हः ॥ ग रु मा नि वो वा दि रा य वि दं म नी रा ग वा गि ग रु
मा वि का सर्व ग रु न रु ग रा व न नी यं अ ग रु २०० दं व वि ग रु २ म म सर्व सत्वा नी
रु न २ भा गे वृष्टि क वृ स्वाहा ॥ १५ ॥ उ० को नी ल डि म रु स का मं वा व दं रु रा य न
क ॥ उ० कं भी वि वृ या की रु व पा वा व रु रु द व द व नी य गो पा गी गी रु २ रु न २ य

व२श्व२ह्वादि२सुं२श्वी२प्र२व२व२प२न२प्र२गि२र२द्र२दो२हं२रु२ह्वा२का॥ १५ ॥
उ॒व॒ज॒गा॒व॒सि॒द्धि॒क॒वी॒स॒र्व॒रा॒व॒ह॒नी॒स॒र्व॒द॒ष्ट॒य॒द॒ष्टा॒न॒का॒ल॒य॥ ॐ॒ द॒व॒लि॒प॒वा
स॒ग॒र॒द्र॒श्व॒२ह्वादि॒२स॒र्व॒द॒ष्ट॒य॒द॒ष्टा॒न॒का॒ल॒य॒२स॒क्त॒य॒२मा॒ह॒य॒२व॒ध॒य॒२म॒म
स॒र्व॒स॒त्वा॒नी॒य॒हं॒२रु॒ह्वा॒का॥ १७ ॥ उ॒वा॒हं॒दो॒ऽड॒ष्ट॒य॒२म॒म॒ज॒नि॒धु॒रा॒वः
श्री॒रु॒क॒नी॒ल॒द॒धु॒य॒का॒ना॒क॒ट॒की॒ना॒रुः॒य॒वा॒ग॒का॒म॒य॒ल॒रु॒मी॒ना॒क॒म॒हा॒वः

न॒र॒य॥ ॐ॒ द॒व॒ली॒ग॒ध॒य॒य॒ध॒य॒दी॒य॒वा॒जा॒ना॒रु॒द॒दा॒म॒का॒ग॒वा॒ग॒य॒म॒य॒वि॒वा
वा॒न॒भी॒धुं॒ॐ॒ द॒व॒ली॒ग॒द्र॒धु॒पी॒व॒रु॒ह्वा॒हं॒व॒दाः॒स॒रु॒क॒न॒स॒र्व॒स॒त्वा॒नी॒भा॒ने॒य॒श्री
व॒रु॒ह्वा॒व॒ध॒य॒य॒दि॒क॒र्व॒रु॒ह्वा॒२रु॒ह्वा॒व॒ध॒य॒वा॒का॒य॒य॒गि॒स्वा॒का॥ १८ ॥ उ॒वा॒हं॒दो॒ऽड॒ष्ट॒य॒२म॒म॒ज॒नि॒धु॒रा॒वः
अ॒वा॒का॒म॒वा॒य॒ग॒रु॒ड॒द॒क॒य॒धि॒सा॒धि॒ग॒यः॒स॒य॒वि॒वा॒व॒र॒य॒॥ ॐ॒ द॒व॒वि॒र्ग॒ध॒य॒य॒
ध॒य॒दी॒य॒ग॒ग॒ग॒वा॒ग॒य॒म॒य॒वि॒वा॒वा॒न॒भी॒धु॒मि॒द॒व॒ली॒ग॒द्र॒धु॒वा॒द॒धु॒पी॒व॒रु॒ह्वा

ह्रं वं हा ३ सर ह फां सर्व सत्वा नीच भाक्तिं पृष्ठील कां व न ने गु फां क व ह्रं २ ह्रं २ ह्रं २ ह्रं २
धन आश्ला य य नि म्वा दा ॥ १५ ॥ ३३ जा ह्रं हा ३ व क वि क ने वि म वा य य मा वि म
म उ ध न द य क त्वा ३ ३ दे व रि ग च य प्प य प दा य ला जा न क ग द वा म न न वा म र य
म य वि वा ना नी भी धुं ॥ ३३ दे व रि ग क्कं तु स्वा दं तु पी व तु ३ ह्रं वं हा ३ ह्रं वं हा ३
म म स च सत्वा नी पृष्ठील कां व ह्रं गु फां क व ह्रं २ ह्रं २ ह्रं २ ह्रं २ ३३ जा श्ला य य नि म्वा दा ॥

स्वा दा ॥ २० ॥ ३३ जा ३ ह्रं हा ३ क य वि क य न चा य न द य द क क्कं ट क वा ३ जी म
व पा ल क लि का ज न न ग क क म दा य म त्वा ३ ३ दे व रि ग च य प्प य प दा य ह्रं य ध
क य ना का दि म जा न क ग द वा ग त्वा म य वि वा ना नी भी धुं ३ दे व रि ग क्कं तु स्वा
दं तु पी व तु ह्रं वं हा ३ सर ह फां सर्व सत्वा नी भ जी पृष्ठील कां व ह्रं गु फां क व ह्रं २ ह्रं २
२ ह्रं २ स्वा दा ॥ व क ध न आश्ला य य नि म्वा दा ॥ २१ ॥ ३३ जा ल ली हां ३ ३ ह्रं

[illegible][illegible]

सर्वं च माययुद्धं दद्यात् सर्वं लाकटा अनिवासीत्यस्मादा ॥ २४ ॥
 उन्माः नृगुणं च न मायनला काला कम् उदधि दद्यात् विदधात् रायं कववा ॥
 द्वा रायदलरा सिद्धिदुता वा विना ल ०० मं वलीयं या म ग म द्र २ म् रा न ना म य
 शविना मय २ उन्मा उन्मा यस्मादा ॥ २५ ॥ उन्मा लिधि सर्वं य दद्यात् मं २ मा य
 ० सर्वं राय ना मधी सर्वं म गुन दद २ ना मय २ ०० मं वलीय द्र २ ह्व २ ह्वा हि २ म न म

[illegible]

विमकवृद्धिं हं हं सादा ॥ २२ ॥ ३३ ॥ इति च कइति न मा रागवगि मदा कइया
विद्यगि ॐ दं वलि ग कं १ ग कौ य य १ य न विद्या वि धी सि नि रा ग व गि मा क मं य
उं व य १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ॥ ३० ॥ ३१ ॥ इति न मा श्री का कुली स र्दे
व क मां ली य वि ष द स मि य वि ह र क नि य य द वा नी नी स र्दे व नि मि र्क मा न
मि वि ह र १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ इति न मा श्री का कुली स र्दे

३३ ॥ श्री य क मा दि रा द द न द का य व द का नि म नि य हा य श्व मं य हा रु मा यः
म नि व य य वा द य वा सि धि व धि मि धि दा र्य ॐ मं व ली रां ध य य य द दी य स र्क
वा दी मा दि रां ग द १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ इति न मा श्री का कुली स र्दे
व क मां ली य वि ष द स मि य वि ह र क नि य य द वा नी नी स र्दे व नि मि र्क मा न
मि वि ह र १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ इति न मा श्री का कुली स र्दे

गः शाकुनश्च वगर्गश्च मोः मा र्गं गश्च विः भव गः कर्षः वृद्धमहावृद्धयवदक
 समादिग कर्षः क बालविरासिन चामि उविनायका वासध्या वाव विरासि उमा
 दवी उमं रवा ऊमा वा विरवात्रे वज्रदिना वपवादिना रद कालिमहा काविध
 व कालिदि जागिनि वृद्धि वाव दीष्ट वं यशीदिष्ट कां वासिनिष्ट कां वादिनिष्टि
 वसिं न्यास मदाश्च ग जागिनी वाव वृया महा वृया दंष्ट्र वृया क पायीनी क पाय

मालमालिन्याश्च द्वांगमदधिकारश्च भद्रसायनमृदसावकुदसाधनस्तथा म
हासश्च मलावकुदकुधर्मसमाधिनाययदाकीनीमहागलसर्वकामानभाभने
यागमंचलमहाभागीवकुधनीयहमथमथमगर्ममहाकायनीयंकनसयागा
नीलवकुधविह्वानननसाधुसर्वसीधिनः४३कं२कधनश्चधश्चश्चश्च
दीश्वाननयोगिज्ञातमानस्यभानिकवृषापिकवृद्धंरुद्रश्चाक्षः ॥ ॐ ॥



समासगंधमा... धूपवलिपुष्प... दनंयग... रुद्र...
 यदमंरु... ॥ यन... रावनापति... ॥ सु... दि...
 आकाव... धूम... का... ॥ मा... व... य...
 नाम... धर्म... धा... ॥ स... दि...
 हान... धूपनिर्मा... ला...

ASHA ARCHIVES

2732

लखन... म... ॥ ध... ॥ नमः...
 ... ॥ सि... ॥ सर्व...
 ... ॥ अथ... ॥ रावना...
 ... ॥ न... ॥ कल...

थं पूजायाय ॥ मनु ॥ ६ ॥ वृत्रघ्नमविस्वाहमि ॥ ॥ वृत्रघ्नं वनाप्रमिष्टं ॥ तथासिं कान
 जं सिंहजं कानं जं अयनाजिगं ॥ कं कानं यमं ॥ आ कानं दयितं ॥ अका वजं विश्व वजं वृत्रघ्न
 ॥ कं कानं वजं ॥ अका वजं रुं सायान्याकिगं ॥ समयसत्त्वविहाय ॥ तत्समयज्ञानसत्त्वविहाय
 अकिं वधानिगं समयसत्त्वविहाय ॥ कलसलखनदाय ॥ पूजा ॥ आयमं नु ॥
 इत्याः वज्रवज्रवगिः इयमनेजयागविस्वाहायासि रुनलय ॥ ॥ पुगाय

सावना ॥ तथाप्यं कायं न पताध्वयगायं ॥ अनिकानना कां समयसत्त्वविहाय
 सायः तत्समज्ञानसत्त्वविहाय इकयधानिगं समयसत्त्वविहाय ॥ वृषानिजं
 जनेनालनामि वका कथनार्थं पूजा ॥ ॥ आयमं नु ॥ इत्याः वज्रवज्रवज्र
 यगाकं नुधिनिष्ठयं सा ॥ ॥ ॥ ॥



ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ पाठ्य विधि मन्त्राणां विधिं ध्यायन् लय म कलसः समं
मनः दत्तात्रेयाय विधिं पूजायाय धनकाशः कायानि सदातः पूजाहल संकल्पयाय ॥
धनलिः कुलपात्रः ॥ धधपात्रः महिषदधपात्रः दधियात्रः मधुघृगपात्रः मधपात्रः पूजा
यावक वाक ॥ ३ ॥ वज्रगुरुं न्यास्य वज्रपात्राणि मेदं पृष्ठा रुर्गनम ॥ ३ ॥ मधुपात्राणि मेदं पृष्ठा
रुर्गनम ॥ ३ ॥ दधियात्राणि मेदं पृष्ठा रुर्गनम ॥ ३ ॥ मधुघृगपात्राणि मेदं पृष्ठा रुर्गनम ॥ ३ ॥

ध्यायाणि मेदं पृष्ठा रुर्गनम ॥ गायनगुरु मन्त्रवदनक ॥ मधुलवि स र्जनयाव
क ॥ गायनक वलाज्ञानकाशं कल्पयात्र कथनल अज्ञाय कथय द कल्य वनायाय
किरुर्गन वनाः वाक ॥ ३ ॥ इर्गानि पृष्ठा विधन वेत्यह कान नृदं माग यष्टनमः ॥ ३ ॥ धनं लि
स्त्रानयात्र क ॥ ३ ॥ इर्गानि पृष्ठा विधन वेत्यह कान वजाद कं स्वांदा ॥ वेत्यहलाहानि नधिया
जया ॥ वाक ॥ ३ ॥ नमो गवय वेला वनप्रह कडु नाजाय ॥ त्यादि ॥ धनघृग कलि ॥ ३ ॥

दालिस्तान यावकः विविधं पूजायाय ॥ उं सर्वदुर्गातिपनिः । भाधनवेत्यत दाल कवच न
सिधुनरुखन स्वाहा ॥ उं सर्वदुर्गातिपनिः । भाधनवेत्यत दाल कवच न
स्वाहा ॥ धनं लिखं हस्तस्वसा इ इ ता य अ क र दारु ल स्वा न त स्यं वे त्य स अ र्ध वि य ॥ उं प
म द द्यु ति रु न्य त ज म दान वि ति मू कं प्रा दि मां स न नः क य स र्व इ र्गा ति वि ना सा यः स र्व द म
नी य निः । भा ध न वे त्य त दान का य अ र्ध प्र ति च्छ स्वा हा ॥ ॥ धन कि र त न ॥ म न्य २ म हा म र्ध

स्वाहा ॥ उं न मा र त व त्य स र्व इ र्गा ति प निः । भा ध न ना जा य त धा ग ता या रु त्य स त्प कं द वा य
त य धा ॥ उं सा ध र ॥ २ वि सा ध न २ स व पा प विः । भा ध न्य डं शु क वि शु क दि वं ग त अ म क ना
म र्ध या य स र्व क र्मा व र्धु विः । भा ध न स्वा हा ॥ उं न मा ध र्म ना जा य शु क र्म के क स म सा ग ज
प्र हा ख न स र्व पा प रु य ग्रा सं म र्ध या । मि स न न रु यः ॥ द कि ण म दि स्वा नू वं रु रु व र्धु रु
वि क र्मः द द्यु रु सं म हा धा नं प्र ता धि पं म रु धि कः । हा व य त्सा र गं ति ल्यः ध र्म ना ज न म

मुक्तं ॥ राधनदं अयाह अमजिमपकाथावायस्वस्तिकवायः धनबलालपगकुः
सहामलः जानकं वाकः ॥ अयशश्रुपीगाजूमकनामध्यायः प्रथमसिलसदादमन्दि
यासिद्धर्थकाकपिमुयस्वानपिमुयकूष्मसतमूपातिस्थितां ॥ कूगलाय ॥ तन्मवाकः
नयजसतंसंप्रकामिस्वधालपगलायमअरुनं वार्धप्रतिपतस्वधा ॥ लखनलय
वसुधविप्रतिपतस्वधा ॥ लाहाकिनर्लराधनहामलधलकस्ति कूसतआगपिउ

नका ॥ वाकः ॥ अयशश्रुपीगाजूमकनामध्यायः प्रथमसिलमूर्धिसिद्धार्थकाकपिउ
स्वधा ॥ दलवास्तय ॥ स्वानपिमुयवाकः ॥ दलकास्तय ॥ धनलिधधुस
मिमनिग्वलमासपिमुय ॥ हांसकूगलपगजानकाडावाकः ॥ कूगलपगलाय
क ॥ धनपिमुजानकाडावाकयाय ॥ अययूष्मन्पीगाजूमकनामध्यायः प्रथममास
मिलसिमूर्धिसिद्धप्रतिपतस्वधा ॥ १ ॥ अययूष्मन्पीगाजूमकनामध्यायः

दितियवकुवृवसंसिध्वदितियमासपिबुल्लध्वा ॥ २ ॥ अथयुष्मन्पीताज्मूकनाम
ध्यायतुतियमासकासंसिध्वतितियमासपिबुल्लध्वा ॥ ३ ॥ अथयुष्मन्पीताज्मू
कनामध्यायवदुर्थकर्णसंसिध्ववदुर्थमासपिबुल्लध्वा ॥ ४ ॥ अथयुष्मन्पीता
ज्मूकनामध्यायः पंचमरुदयसंसिध्वपंचममासपिबुल्लध्वा ॥ ५ ॥ अथयुष्मन्पीताज्
मूकनामध्यायषष्ठमरुदयसंसिध्वषष्ठममासपिबुल्लध्वा ॥ ६ ॥ अथयुष्मन्पीताज्मूक
नामध्यायसप्तममाससंसिध्वसप्तममासपिबुल्लध्वा ॥ ७ ॥ अथयुष्मन्पीताज्मूकना

मध्यायअष्टमरुदियसंसिध्वअष्टममासपिबुल्लध्वा ॥ ८ ॥ अथयुष्मन्पीताज्मूक
नामध्यायनवमपादसंसिध्वनवममासपिबुल्लध्वा ॥ ९ ॥ अथयुष्मन्पीताज्मूक
नामध्यायदशमनामरुदयसंसिध्वयायदशमपिबुल्लध्वा ॥ १० ॥ अथयुष्मन्पीताज्मू
कनामध्यायएकादशगानिसंसिध्वएकाकादशमासपिबुल्लध्वा ॥ ११ ॥ अथयुष्म
न्पीताज्मूकनामध्यायद्वादशपाकसंसिध्वद्वादशमासपिबुल्लध्वा ॥ १२ ॥ धनपिबु
ल्लध्वसमरुजातथंयुजायायथानिमासपिबुल्लध्वा ॥ १३ ॥ धनकासदधूसपतपिबुल्लध्वलध्व

यलयतं कुमलमलजानकं वाकः कुमललायलपतलायः लखनहायः अधिस्तनय
लखजानकं वाकः ॥ अययुष्मत्पीताम्रकनामध्यायपाठमिपिउउधाननाथ
प्रतपिषु स्वधा ॥ ॥ धनमवजानकं पूजा ॥ योधनप्रदमिपिषुधयः कुमलपतल
मलतयाजीवाकः कुमललायः लपतलायलखनहायः ॥ अधिस्तनयायः पलखजानक
कुमलमलतयाजीवाकः ॥ अययुष्मत्पीताम्रकनामध्यायः अधिविमलनवक
स्तनः स्वभावार्थपाठमिपिषु स्वधा ॥ १ ॥ अययुष्मत्पीताम्रकनामध्यायः

वदकुंकः स्वभावार्थपाठमिपिषु स्वधा ॥ २ ॥ अययुष्मत्पीताम्रकनामध्यायः
यागैर्याकप्रकष्यंयनामावतार्थपाठमिपिउउस्वधा ॥ ३ ॥ अययुष्मत्पीताम्रक
कनामध्यायप्रकृमनूष्यत्यनावधिवमृककसाधनार्थपाठमिपिउउस्वधा
॥ ४ ॥ अययुष्मत्पीताम्रकनामध्यायः वाधिवकातेसावद्वभावार्थपाठम
पिउउस्वधा ॥ ५ ॥ अययुष्मत्पीताम्रकनामध्यायकसुविद्याटपीउकिवह
कनातेदेतामावतार्थपाठमिपिषु स्वधा ॥ ६ ॥ अययुष्मत्पीताम्रकनामध्यायः

आयहीन कलउत्पन्नमावतार्थपादमिपि सुखधाम् ॥ १ ॥ अथ यूपीता अमृकना
मध्यायः इत्यादिः स्वपन्नानाता कर्मानिनापिकदं इत्यादिमावतार्थपादमिपि सुख
धाम् ॥ ८ ॥ अथ यूपीता अमृकना मध्यायः अक्षमृत्तुधाम्नः उत्पन्नः इत्यादि
मावतार्थपादमिपि सुखधाम् ॥ ९ ॥ अथ यूपीता अमृकना मध्यायः अक्षमृत्तुधाम्नः
पन्नमावतार्थपादमिपि सुखधाम् ॥ १० ॥ अथ यूपीता अमृकना मध्यायः दक्षिणा
पातककृत्तुपापमावतार्थपादमिपि सुखधाम् ॥ ११ ॥ अथ यूपीता अमृकना म

ध्यायः कामिकी टात्पन्नः इत्यादिमावतार्थपादमिपि सुखधाम् ॥ १२ ॥ अथ यूपीता
अमृकना मध्यायः तमाधका नरुमी उत्पन्नः इत्यादिमावतार्थपादमिपि सुखधाम् ॥ १३ ॥
अथ यूपीता अमृकना मध्यायः कृत्तुधाम्नः अथ सात्तया रुम्ना इत्यादिमावतार्थपाद
मिपि सुखधाम् ॥ १४ ॥ अथ यूपीता अमृकना मध्यायः अक्षिपुत्रवर्तपुत्र इत्यादि
मावतार्थपादमिपि सुखधाम् ॥ १५ ॥ अथ यूपीता अमृकना मध्यायः अक्षिपुत्र
महान्नका इत्यादिमावतार्थपादमिपि सुखधाम् ॥ १६ ॥ अथ यूपीता अमृकना मध्यायः अक्षिपुत्र

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ यत्नः स्यात्तु यदंशनासि रुचा ॥
 ॥ पूर्वभ्रगं न्य पूर्वमाहा काल
 ॥ चंद्रलक्ष्म गनरु ग्वप्
 ॥ क्रुअं घाग पस्रपति वागुस्वि
 ॥ ऐनव वेहलादवी
 ॥ मगसुलि नागस्वनी
 ॥ ऊयवागंधनी आंगंधनी
 ॥ मधलुप् काल
 ॥ भ्रुगारे नव खासावेत्य
 ॥ नंमाल हनदअ धंवा नाह
 ॥ हानयाग मीलप्रनाप
 ॥ गमकांस्वन कमीत
 ॥ वगुनांश वजआगिनी
 ॥ महाकाल पलांवा
 ॥ साइअमल आकिथ
 ॥ नमवचा कमलाति
 ॥ लमधि खिव एलघ
 ॥ झलपूष् कमल
 ॥ पंनमंधनदिति लोअं पात
 ॥ नंसास एगवनी चलां माग

॥ मयात वावही
 ॥ मिरुल ॐ नाय
 ॥ काथुवहि क्षाल
 ॥ लाहसालादअ एंसा ल
 ॥ धन्यवेत्य नाथं न
 ॥ गुरुवनी मगसुलो
 ॥ गमनत्वनाथ थिमाल
 ॥ गहृसुदनी गुनधात
 ॥ वधुमाग दलालम
 ॥ वाहिमल इगवही
 ॥ पेन्खा सदल
 ॥ ववाहाल दिगिवा
 ॥ लामिका गुवागत
 ॥ रुसिकव रुमिवा
 ॥ हनदव पालादम
 ॥ पुनवा शीधाल
 ॥ पेवाला दिकापम
 ॥ यदिमस्व कयिनाय ॥
 ॥ पूर्वभ्रगं न्य हंमरुथमि

१ दकि ववलि चयाने अस

१ दकि ससमभन

१ ते नव पावलि

१ कायू पीथ गनं गु

१ कुल्या खन साहाः मसि

१ दोना गमल नद्या कानि

१ लो गमद प्रगाव

१ जय नका कानि थक

१ वावाहाल सखमाल

१ थसावाहा प्लवा

१ कायना हासापाग

१ गगादह नाखेदडा

१ खाना क्रसपतस्यादडा

१ वृग कोमाविदडा

१ कंगु कोक रामति

१ दाह्य समं खरुलः लगह

१ कल गडावाहा

१ काइम मिलमति

१ कुलवानकि वलमति

१ कोलप काथचेत

१ लाहमि कानगामिका

१ मशहिति

१ नाखचेत नायखन

१ पाथकारिका गाकं ऐनव

१ वजगागिना मानिगन

१ कलियाकिंका हने खन

१ हितेमंगल कलख एमन

१ नैवाहा लोकनाथ नाकहेल

१ प्रमाणक सनस्वति हनुमक

१ काथक महाकास रगवकि

१ हलालिका गदसयालिडने

१ हल्लोथ पचगादस चउकी

१ गगपू चउचेत निवसंग

१ नकवहि खनदनाथ मइसुन

१ दोका जाह ऐनेन गिलखरदि

१ गेहमाका मूलव जयसंगना

१ वूनदडा नासचक ननखद

१ गधवाहा हलमन विदुदडा

१ पूण्या दिगुगल माहचहिनेन

१ एनाखाका हवने खन लेदडा

१ लागायानका मजादडा दोका

१ दामहा सटमं धाकि ॥

१ दाक्षिण्यार्थव्यालिकुयगा
 १ स्तानागि जामावा धमपेवसि
 १ आदखन कद नुवगु
 १ नागमक नागमजन सिवादा
 १ अग्वकुल्या पानिकल्या
 १ क्षति नानि प्यायधनकिं
 १ सिसिदग नकिंनु रुडावसि
 १ वृथ वगाम् सगुमयकय
 १ सनधगामि गामिकपून
 १ मनिपून वापूपून
 १ रुसपा अकपून पागापून
 १ वसपून नागपून
 १ प्रतरेनव पनवा
 १ मरुगा सण्नाय
 १ वण्नाय खाउवृगम
 १ मंगीगमल गाण्नायव
 १ खलेवा नानि रागवागि
 १ धालिनाग कर्खवीनु
 १ नानि विवाधनि सायनाय
 १ सोसदव रिंदगयापस
 १ रलाक रुल्मरु रुगमदग
 १ रुवाला नागकिल्लोन्नोना

१ धमयलाह किं
 १ सगमावेद मिवा नाकस
 १ आखा नगु लोकाथानि
 १ दगगाखा रिंदगम
 १ दडीयानि दहवा
 १ पुलिद प्रवीदह नागमकन
 १ मागागीथ थकाग वनष
 १ सथंगल कसकंद
 १ सिल्लल रिपुदिमि
 १ बाहल रुल डनगी स्वकंद
 १ धासिद धरवा माल
 १ रिंदगयापूष निरुगपूजायका
 १ कदवा केकावा निपूडादिमि
 १ प्लेद स्वयंरुग भुवासायका
 १ लेपुगिथ दगखा थयापल
 १ यिनायल ००दखन
 १ मइका मइदिमि संधगी
 १ साकक वलांघ पुनपु सुओका
 १ सुंगागम नवमगल म
 १ माघःल नगदिमि म
 १ मखवाला लिदम ता
 १ मयदुल् महादवगपा
 १ मयो

१ उरुनं नू नमनवलिकुचग
 १ कियपि जालंधन कारि
 १ पमसिका गक वागमगि
 १ कसजाल नूनकंदरु ता नातिथ
 १ सिरुषा वषंभाक
 १ वामलखा वदस्वनी
 १ सपं नीर्थ सुयजगसं
 १ वपू गं धडागं
 १ गडा ग दधुगं : वृषीअ
 १ लखा धमाथलि जामा
 १ व्याकादरु मनामयश
 १ गधकव रुसिखल
 १ गामम लारुल
 १ साहागु धिकयपाक
 १ मयगखा लषूपाग
 १ वसुधा ना नूदधा
 १ मयशयाहिलि चयमसुद
 १ वकोपाग पुसिवाहा
 १ वापागता पानपानकिं
 १ याकामसिं साकादिगि

१ सुपाक गडाकगम पासादल
 १ पाकू नू नाय काहिति धादिगि
 १ यदिति ऐमशकयादडा
 १ ऐंजगधू कोस्व नू नाय
 १ कोलांरल नायगा रुगिस्वा
 १ धयमइ नाथस्वन ननसिं
 १ क्लंकाला नोवाहा
 १ गीडाक भलसिका नू वाहा
 १ हातारुल खिलयिनाय
 १ जलषू त्याचादडा
 १ कननधन जमगुथ
 १ किलाघ दगएल
 १ कले लनरुल
 १ थथुलायक हागल
 १ जारुदडा गगु
 १ जगलयिनाय
 १ जगुवाहा गुगुचापग
 १ मूवाहाल प्रकमइसन
 १ डरुनया दंसदं धुगि

के (हं॥) ५
 (५॥५॥) ५
 (५॥५॥) ५
 (५॥५॥) ५

॥ मन्त्रानुवर्तिनः ॥
 ॥ हन्तमान ॥
 ॥ लघल ॥
 ॥ गायल ॥
 ॥ आकाशानि ॥
 ॥ धुति ॥
 ॥ पनकले ॥
 ॥ यशकले ॥
 ॥ कुलदेवता ॥
 ॥ सुकुदवता ॥
 ॥ शिखवत ॥
 ॥ शानल्लव ॥
 ॥ पितृल्लव ॥
 ॥ मन्त्रधारा ॥